भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या–1885

उत्तर देने की तारीख **13/03/2023**

शिक्षा हेतु बजट आवंटन

†**1885 श्री बी. मणिक्कम टैगोर**:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) क्या यह सच है कि विगत सात वर्षों के दौरान कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में शिक्षा के लिए बजटीय आवंटन में कमी आई है:
(ख) क्या यह भी सच है कि वर्ष 2021-22 में प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर 1.5 प्रतिशत बनी हुई है;
(ग) क्या वर्ष 2013-14 और 2021-22 के बीच माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की श्रेणी में विद्यालयों की संख्या में कमी आई है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क)**:** पिछले सात वर्षों के दौरान शिक्षा मंत्रालय के लिए बजटीय आवंटन नीचे दिया गया है-

(रु. करोड़ में)

वित्तीय वर्ष	शिक्षा मंत्रालय का कुल बजट
2015-16	69074.76
2016-17	72394.00
2017-18	79685.95
2018-19	85010.29
2019-20	94853.64
2020-21	99311.52
2021-22	93224.31
2022-23	104277.72
2023-24	112899.47

जैसा कि उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है, यह देखा जा सकता है कि शिक्षा मंत्रालय के लिए बजट आवंटन में लगातार वृद्धि हो रही है।

(ख) से (घ)

जेंडर के आधार पर प्राथमिक स्तर पर ड्रॉप आउट दर

जी हां, शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस (यूडाइज़+) 2021-22 के अनुसार प्राथमिक स्तर पर ड्रॉप आउट दर 1.5% है।

ड्रॉपआउट दर - प्राथमिक (कक्षा **1** से कक्षा **5** तक)	
बालक	1.6
बालिका	1.4
कुल	1.5

माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का विवरण

शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडाइज़) 2013-14 और शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस (यूडाइज़+) 2021-22 के अनुसार, 2013-14 से 2021-22 तक माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर स्कूलों की संख्या क्रमशः 1,41,941 से बढ़कर 1,50,452 और 86,261 से बढ़कर 1,42,398 हो गई है।

स्कूल श्रेणी	2013-14	2021-22
माध्यमिक	1,41,941	1,50,452
उच्चतर माध्यमिक	86,261	1,42,398

*****